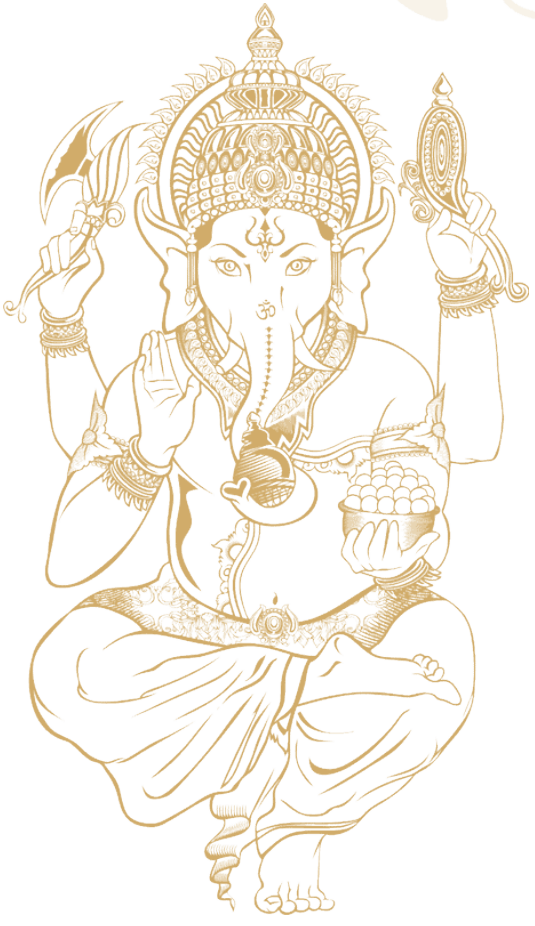

Mr. Rajkumar

23 Mar 1974

12:22 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121198602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/1974**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:22:00 घंटे**
इष्ट	14:58:32 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:00:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:45 घंटे
साम्पातिक काल	00:02:23 घंटे
सूर्योदय	06:22:35 घंटे
सूर्यास्त	18:33:38 घंटे
दिनमान	12:11:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:45:49 मीन
लग्न के अंश	19:17:13 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:17:13	315:38:26	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			मीन	08:45:49	00:59:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	01:37:10	12:43:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	20:00:39	00:34:42	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध			कुंभ	11:00:58	00:58:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			कुंभ	09:54:31	00:13:30	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			मक	22:56:59	00:53:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मिथु	04:47:23	00:02:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	29:33:56	00:13:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:33:56	00:13:26	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष	व		तुला	03:13:51	00:02:15	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		वृश्चि	16:04:53	00:00:22	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो	व		कन्या	12:03:40	00:01:40	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			मीन	07:09:06	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:06

लग्न-चलित

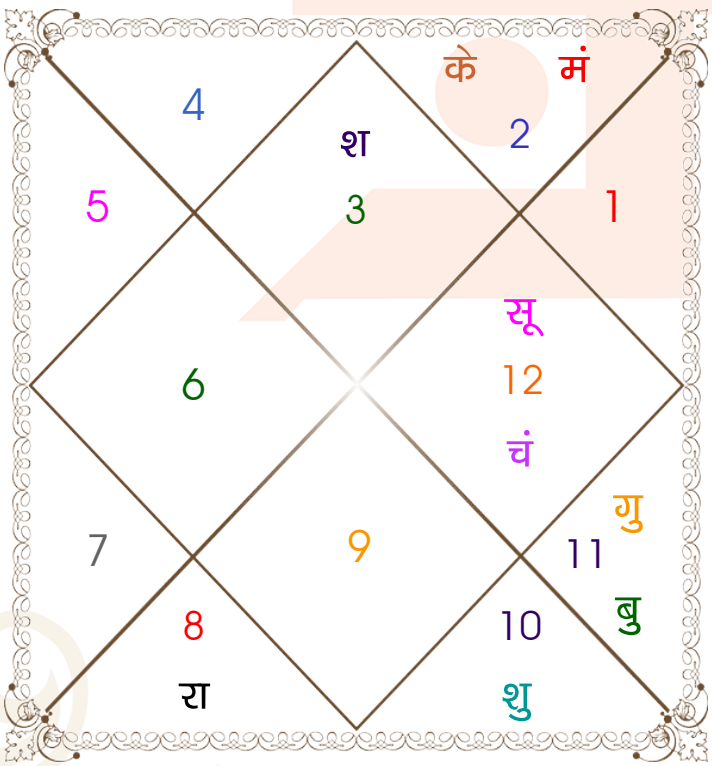

चन्द्र कुंडली

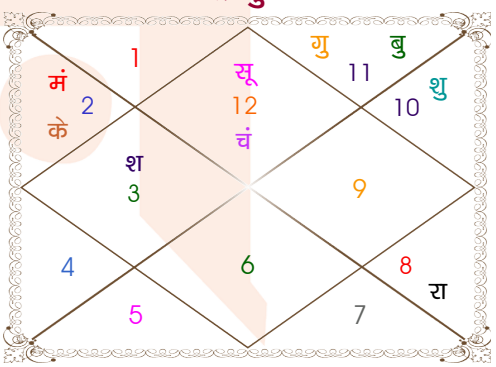

नवमांश कुंडली

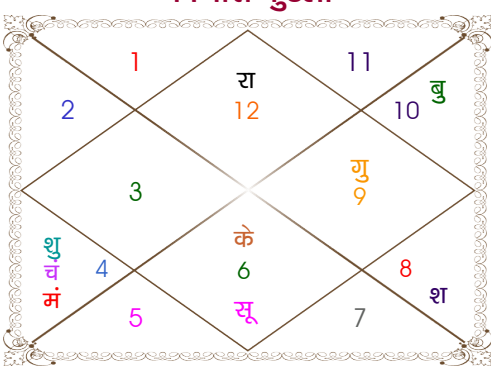

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 0 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/03/1974		12/04/1976		13/04/1995		12/04/2012		13/04/2019	
12/04/1976		13/04/1995		12/04/2012		13/04/2019		13/04/2039	
	00/00/0000	शनि	16/04/1979	बुध	09/09/1997	केतु	08/09/2012	शुक्र	13/08/2022
	00/00/0000	बुध	24/12/1981	केतु	06/09/1998	शुक्र	09/11/2013	सूर्य	13/08/2023
	00/00/0000	केतु	02/02/1983	शुक्र	07/07/2001	सूर्य	16/03/2014	चंद्र	13/04/2025
	00/00/0000	शुक्र	04/04/1986	सूर्य	13/05/2002	चंद्र	15/10/2014	मंगल	13/06/2026
	00/00/0000	सूर्य	17/03/1987	चंद्र	13/10/2003	मंगल	14/03/2015	राहु	12/06/2029
	00/00/0000	चंद्र	15/10/1988	मंगल	09/10/2004	राहु	31/03/2016	गुरु	11/02/2032
	00/00/0000	मंगल	24/11/1989	राहु	28/04/2007	गुरु	07/03/2017	शनि	13/04/2035
	23/03/1974	राहु	30/09/1992	गुरु	03/08/2009	शनि	16/04/2018	बुध	11/02/2038
राहु	12/04/1976	गुरु	13/04/1995	शनि	12/04/2012	बुध	13/04/2019	केतु	13/04/2039

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/04/2039		13/04/2045		13/04/2055		13/04/2062		12/04/2080	
13/04/2045		13/04/2055		13/04/2062		12/04/2080		23/03/2094	
सूर्य	01/08/2039	चंद्र	11/02/2046	मंगल	09/09/2055	राहु	24/12/2064	गुरु	31/05/2082
चंद्र	30/01/2040	मंगल	12/09/2046	राहु	27/09/2056	गुरु	20/05/2067	शनि	12/12/2084
मंगल	06/06/2040	राहु	13/03/2048	गुरु	03/09/2057	शनि	25/03/2070	बुध	20/03/2087
राहु	01/05/2041	गुरु	13/07/2049	शनि	12/10/2058	बुध	12/10/2072	केतु	24/02/2088
गुरु	17/02/2042	शनि	11/02/2051	बुध	10/10/2059	केतु	30/10/2073	शुक्र	25/10/2090
शनि	30/01/2043	बुध	13/07/2052	केतु	07/03/2060	शुक्र	30/10/2076	सूर्य	13/08/2091
बुध	06/12/2043	केतु	11/02/2053	शुक्र	07/05/2061	सूर्य	24/09/2077	चंद्र	12/12/2092
केतु	12/04/2044	शुक्र	12/10/2054	सूर्य	12/09/2061	चंद्र	26/03/2079	मंगल	18/11/2093
शुक्र	13/04/2045	सूर्य	13/04/2055	चंद्र	13/04/2062	मंगल	12/04/2080	राहु	23/03/2094

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।